Inc., USA as Commodity Assistance through UNFPA.

(c) and (d) All these components were received between December, 1990 and March, 1991. Except for 0.47 million pieces used for training and trial production, the rest are lying un-utilised at Hindustan Latex Ltd.. Trivan-drum as some of these components on testing in India were found not conforming to US-FDA approved Population Council Standards as per terms of the agreement.

(e) As the components have been received as commodity assistance through United Nations Population Fund (UNFPA), they were requested to take back the components but they regret ted their inability to do so.

(f) and (g) No, Sir. A technical committee constituted under the Chairmanship of Drugs Controller (India) has. after testing the com ponents, made recommendations that co. t-ponents, which conform to Bureau of India Standards Specifications (BIS) may be used in the National Family Welfare Programme.

Workers Suffering from Asbestos Related Disease

3961. SHRI MENTAY PADMANABHAM : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether Government have taken steps to protect the health of workers who are involved with the manufacture of asbestos:

(b) the number of people estimated to be suffering from asbestos related diseases: and

(c) which are the Stales where workers are worst affected by such diseases connected with the asbestos industry?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B SHANKARANAND) : (a) Yes, Sir.

(b) and (c) According to Indian Council of Medical Research, studies carried out by the National Institute of Occupational Health. Ahmedabad, at asbestos cement factories in Ahmedabad, Hyderabad, Coimbatore and Bombay and among mining and milling workers at Cuddappa have shown a prevalence of asbestosis of about 3.5%—5% among asbestos cement workers, 3.3% among mine workers and 21.1% among milling workers.

आन्ध्र प्रदेश में नेत्र-बैंक

3962. **डा० एन० तुलसी रेड्डी** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आन्ध्र प्रदेश के कितने सरकारी अस्पतालों में नेत्र-बैंक हैं और उनका ब्यौरा क्या है:

(ख) क्या वर्ष 1993-94 में आन्ध्र प्रदेश में कुछ और नेत्र-बैंक खोले जाने का कोई प्रस्ताव है:

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है: और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे निम्नलिखित 6 अस्पतालों में नेत्र-बैंक खोले गए हैं :—

(i) सरोजनी देवी नेत्र अस्पताल, हैदराबाद ।

(ii) उसमानिया जनरल अस्पताल, हैदराबाद ।

(iii) गवर्नमेन्ट गान्धी अस्पताल, सिकन्दराबाद ।

(iv) क्षेत्रीय नेत्र अस्पताल, कुर्नूल ।

(v) क्षेत्रीय नेत्र अस्पताल, गुन्टूर ।

(vi) क्षेत्रीय नेत्र अस्पताल, विशाखापतनम ।

(ख) से (घ) आन्ध्र प्रदेश सरकार से नए नेत्र-बैंक खोलने संबंधी कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है । राज्य सरकार इस संबंध में वार्षिक प्राथमिकताओं का निर्धारण करती है ।

राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में परिवार कल्याण कार्यक्रम का कार्यान्वयन

3963. **श्री मूलचन्द मीणा** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सवाई माधोपुर जिले में परिवार कल्याण कार्यक्रम को कार्यान्वित करने के लिए विशेष अभियान चलाने की कोई योजना है;

(ख) क्या आदिवासी बहुल सवाई माधोपुर जिले में किसी स्वैच्छिक संगठन को अनुदान देने के मामले में कोई पहल की गई है; और

(ग) क्या राजस्थान में परिवार कल्याण के लिए किसी आदिवासी संगठन को अनुदान दिया गया है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) सामाजिक सुरक्षा नेट योजना के अन्तर्गत 1992-93 में सवाई माधोपुर जिले में सुदृढ़ीकरण करने हेतु 5 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का चयन किया गया है तथा 1993-94 के लिए 5 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्धारण कर लिया गया है । संस्थागत प्रसवों को बढ़ावा देने तथा मातृ मृत्यु में कमी लाने के लिए एक ऑपरेशन थियेटर, प्रसव कक्ष, एक महिला चिकित्सक आदि की व्यवस्था करने के लिए 1992-93 के दौरान 5 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए प्रति प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 10 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं ।

(ख) स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता की योजना के अंतर्गत स्वैच्छिक संगठनों द्वारा वित्तीय सहायता ली जा सकती